32

२२८.०१
कश्मीर|शा

Sh.
27

पी. सं. 5151 - (79)

साग्निका स्वाहा कार
13. अपूर्ण कर्मकाण्ड
(गुरुमुखी लिपि)

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ श्रीशारिका...
ॐ अस्य श्री... शारिकारूपधारिणी...
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ऋषिः
[illegible] त्रिष्टुप्छन्दः [illegible]
[illegible] शक्तिः [illegible] कीलकम् । [illegible]
श्रीमहालक्ष्मी [illegible]
ऋषिः त्रिष्टुप्छन्दः श्रीमहालक्ष्मीर्देवता श्रीं बी-
जम् । श्रीं शक्तिः ह्रूं कीलकम् । [illegible]
[illegible] विनियोगः

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ गायत्री ३ ॥ ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं [illegible]

[illegible]

स्मयायै स्मयवक्त्रे कल्पलतायै कल्पतरुसन्निवेश
भायै कैवल्ये श्रीमन्मन्दिरायै जयान्तकमलाक्षि जग
करायै करपङ्कजधारायै जगन्मालाविभूषणायै
जगन्मूर्त्यै जगद्भूत्यै जगज्जनन्यै नृपेन्द्रे क
मलाक्षे कमलाक्षुप्यै पद्मायै पद्मेश्वर्यै महे मा
हेश्वरि मन्दायै सुमन्दायै महामाहेश्वरि पद्महस्तायै
पद्मकरायै पालनायै पालनवृत्तायै पद्मि
नि पद्मवदनायै पद्मायै पद्मकरायै शिव
यै शिवप्रियायै साक्रुतायै सहे रम्भायै वि
जयदे सुभगायै सुरूपायै पावनायै पीवरांघ्रि
वराङ्गायै सुस्मितायै सुमङ्गलायै भानुरूपे भ
रभुजायै वीणायै गीतप्रियायै गानायै गानरूपे
ना.गि. मु ३ गानवत्सल्यै सतीवसुन्धराशिकरायै भद्रे भद्रा
लकायै मलकायै नाकपृष्ठभूम्यै नाकिने न
कपालिन्यै

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥०००॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गलेभुजभुजङ्गाय विश्वविश्वंभिणे निशाय
वज्राय वज्रज्वलनमुकुटाय मुखे मुखतिपाय मु-
खे सर्वविघ्ननाशाय सर्वकृत्यविनाशाय सर्वाय
वज्राय विश्वभद्रे विश्वाय विघ्नवारणाय
वज्रे वज्रकपालाय वज्रदंष्ट्राय वज्रपाणिमुकुटे
य वज्रज्वलनमकुटाय वज्रमालाविभूषणाय
वज्राय वज्रमालाभिरक्षके वज्रमालामुकुटे
य वज्रसूत्रे वज्रमुकुटे वज्रवज्राय वज्रदेव
प्रियाय वज्रमुकुटाय वज्रदेवसूत्रे सर्वे ॐ
लाङ्गलविनाशिने विश्वकुम्भनिलयाय भूलय
नलमत्रिणाय यज्ञसूत्रे यज्ञभागाय यज्ञके
यज्ञवसिने यज्ञकर्त्रे यज्ञपालकप्रियाय यज्ञ
नाय यानपालकाय यज्ञेश्वरे यज्ञमयि यज्ञ
नायकप्रशिक्षाय धवलमुखाय धवलाम्बराय धव
ले धवलमुकुटाय भिल्लभिल्लाय धवलाङ्गनाय

सा॰
सु॰
३

𑆥𑆫𑆩𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆳𑆫𑆑𑆳𑆤𑇀𑆠𑆑𑆸𑆠𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆤𑇀𑆢𑇀𑆪𑆽 𑆤𑆤𑇀𑆢𑆳𑆘𑆴𑆫𑆳𑆪𑆽
𑆯𑆿𑆩𑆠𑇀𑆪𑆽 𑆯𑆿𑆩𑆤𑇀𑆩𑆷𑆫𑇀𑆠𑇀𑆪𑆽 𑆅𑆠𑆵𑆩𑆴 · 𑆱𑆲𑆱𑇀𑆫𑆤𑆳𑆩𑆼 𑇈 𑇑·· 𑇈
𑇄𑆁 𑆑𑆩𑆫𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑇀𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆽𑆫𑆮𑇀𑆪𑆽 𑇆 𑆠𑆴𑆫𑆮𑇀𑆪𑆽 𑇆 𑆑𑆳𑆩𑆳𑆑𑆫𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆑
𑆩𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑇀𑆪𑆽 𑇆 𑆑𑆳𑆩𑆁𑆑𑆫𑆑𑆳𑆩𑆑𑆾𑆠𑇀𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆴𑆯𑇀𑆫𑆳𑆪𑆽 𑇆
𑆘𑆪𑆢𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆮𑆴𑆯𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆥𑆳𑆥𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆑𑇀𑆠𑆥𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆮
𑆫𑆾𑆓𑆑𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓𑇀𑆫𑆽 𑇆 𑆘𑆓𑆥𑆳𑆤𑆥𑆫𑆳𑆪𑆤𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓
𑆩𑆵𑆠𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓𑆘𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓𑆑𑆳𑆤𑆮𑆴𑆩𑆳𑆤𑆑𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓
𑆢𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓𑆫𑆥𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓 𑆘𑆓𑆑𑆫𑆫𑆘𑆘𑆓𑆫𑆳𑆪𑆽 𑇆
𑆘𑆳𑆥𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆳𑆥𑆮𑆵𑆮𑆫𑇀𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆓𑆘𑆓𑆳𑆪𑆽 𑇆 𑆘𑆫𑇀𑆭𑆘𑆳𑆪𑆽
𑆘𑆳𑆘𑆴𑆫𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆘𑆴𑆫𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆫𑆓𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆳
𑆩𑆮𑆘𑆴𑆫𑆑𑆫𑇀𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆯𑆵𑆫𑆽 𑆘𑆳𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆑𑆳𑆑𑆳
𑆪𑆽 𑆘𑆤𑆵𑆤𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆑𑆮𑆢𑆘𑆴𑆫𑆳𑆪𑆽 𑆮𑆑𑆳𑆪𑆽 𑆮𑆽
𑆑𑇀𑆪𑆽 𑆮𑆑𑆩𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆯𑆠𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆯𑆽 𑆘𑆳𑆘
𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆘𑆳𑆪𑆽 𑆘𑆳𑆯𑆽 𑆘𑆳𑆥𑆳𑆤𑆫𑆳𑆪𑆽

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

निःसंध्यासुरसुभिन्द्र्यै वन्द्र्यै वरसुलभायै क
सुलासुकवल्लभायै सुक्षुपाद्यै उल्लेभि॰ निजुले:३०॥
ोंभक्त्यै भक्तभक्तिप्रवर्तिन्यै भेभूयै यज्ञंचार
यै यभूयै यभूनायै याभिन्द्रे सर्यायै सर्कायै
वसुनायै सल्लुभक्त्यै सर्वीयस्त्रै पोषरुद्रै पो
लभस्त्रै पोल्लस्त्रै धभूयै वाकुवे वक्त्यै वाग
द्वै वनमालिन्यै भभभुवरूनिलयायै भभभुवरू
प्रलिप्त्यै भभभुवरूवरुत्त्यै भभभुक्तव
स्नलायै भभभुभक्तभल्लारूयै भलिन्यै भग
धंध्वनायै केसवरूत्यै केसवाभायै सभक्तव
सुलभुभायै रूभरूयै भक्तभक्तायै भव
वरूभयै भक्तै भवाक्षभयीविक्त्यै भल
विक्षायै भियक्ष्नै सकरायै खेडसाकरायै
करावरुसिमिनिन्द्रे ककाशकूल्लराङ्गयै

मवमत्कृपारूपायै सर्वरूपायै समलायै हि
रण्यै सर्वागमिन्यायै सर्वांकायै सर्वाल्लिक
यै सर्वायै सनत्कुमारपालायै सवरूपायै
परमात्मायै मातृमातायै त्वमेतिकायै
सङ्कितायै सद्रूपमायै सर्वाग्रायै
महत्यै सवृत्यै सक्लित्यै सत्यै सर्वलक्ष्मन
संभितायै सङ्कलमायै सङ्कपमायै सङ्क
प्रमानवेभितायै सकामारूपकत्यै भवान
स्कत्यै कलायै सनस्मभत्यै सुरूपायै स
र्वालकृल्लेमनायै सुरूपसुवापकायै कृपा
यै सभितुज्जलप्रभितायै संगीतामङ्गनायै
सत्यै सकामारूपकवलयै उत्तुङ्गायै उत्तु
ङ्गविभायै मिनकेलिमभूतायै उक्तिरायै
मधुरमालायै उत्तिरमकपायै सूतायै उग्राम

मा.
श्री.
१

श्रीफलायै [illegible]कामकलाकृषितायै [illegible]कुक्कुटायै [illegible]कु-
ब्जायै [illegible]तन्तुकायै [illegible]तैस्वदे [illegible]तागायै [illegible]तालीका-
यै [illegible]कामकलाभट्टकायै ंस्रुवे वैरुवभूषायै ंस-
त्रे ंस्रुववल्लकायै उत्लेभि • ंसायै ॥ ८ ॥
[illegible]कमलकायै सत्रे ंकामसिद्धभट्टकायै [illegible]गुरु-
कायै [illegible]गुसिन्तायै [illegible]गुर्वभक्तवाभिते [illegible]धा-
यै वैधुवप्रभायै [illegible]गुरुगायै [illegible]न्मकननायै
[illegible]मस्त्रे ंस्रुवे सधुयै [illegible]सकमायै [illegible]सस्त्रे [illegible]
सकसुयायै [illegible]सकरुयै [illegible]सकैसुवभट्टकायै
कुधायै कुषायै कुषन्धायै [illegible]सितायै [illegible]सिद्ध-
भयुतायै [illegible]कामस्त्रे [illegible]कामस्त्रे [illegible]वरुयै [illegible]
वरुकल [illegible]कामकुल्कुलयायै वालायै वालाभि-
ट्टमभयुतायै [illegible]नाङ्कभक्तलायै ंनायै [illegible]कामा-
कावीलिताडायै [illegible]नभियायै [illegible]नभट्टवाभिते

किनवल्लायै किनाङ्कमधुमंभितुतायै किकौलेशु
मभारुकायै किकारमापराधेशु किंसिद्धायै
मधुमक्षितायै मंठेलानिलयायै भ्रूभ्रुवे मः
भ्रुभ्रुवायै सिधाङ्किकायै क्षेमनभरूपायै क्षे
मभगायितु क्षेमसु क्षेमकरायै कमल
यै कमलेक्षणायै कामेश्वरे कलापिल्लुयै कु
मार्दे कुटिलालकायै कुटिलायै कुटिल
कायै कुङ्कुमाङ्गदायै शिवायै कुलाकुल
पद्मस्थे कुलेशु कुञ्जिकायै कलायै क
मायै कामधियायै कीरायै कमनीयायै क
पालिते कालिकायै कद्रुकालु कलकमा
तकालिले कपर्दिते कपालेशु कद्रमयमजि
तायै कम्भद्रे कैमलानु कम्भीदे कुडे
मकुतये कुतायै कुसायै सुधृगीएकायै

सारिः
भ्रुः

कमनीयायै कलाकुलायै कालाम्बायै कालाकृत्यै
कामिन्यै कमलापालिन्यै कङ्कपरायै [illegible]कृत्यै
ककारवर्णभद्रिकायै खड्गहस्तायै खड्गकृत्यै ख-
ट्वै खगगामिन्यै खगेशीवाहनायुक्तायै खसङ्ग-
प्रियायै खगभानायै खेलेलाक्ष्यै खड्गायै ख-
लनाशिन्यै खट्वाङ्गधारिण्यै खं[illegible]भूषिण्यै
यै खड्गायै [illegible] खगीशनिलयायै [illegible] ॥५०॥
खं[illegible]भद्रिकायै खेचर्यै गौरीनिलया-
यै खड्गायै खसुखवल्लभायै गुह्यायै गजभुजा-
न्यै गजेन्द्रवरगायै गायायै गोपवध्वै गज-
हस्तायै गन्धप्रियायै गन्धायै गीतायै गोवर्ध-
नायै [illegible] गजलक्ष्मनविग्रहायै गाम्भीर्यरूपधन्यायै
गङ्गायै गायत्र्यै गन्धर्वकन्यायै घोरायै घोर-
रूपायै घर्घरनादिन्यै घण्टायै घण्टा-
लम्बायै

शर्प्रलनलेखायै शरभयम्भीरुयै श
न्तुखायै शनिस्तुते शनवादनसंवृतायै शका
राक्षरमातृकायै षत्तायै षवर्णनिलयायै ष
ट्सुखायै षन्नालयायै षमार्त्ते षत्तायै षष
ष्टायै षवर्णाक्षरमातृकायै साभीकास्मरायै
सान्त्रे सन्निकायै सन्मार्गगिते सलायै सला
यै साल्लायै सान्द्रीकलकण्ठायै सान्द्रीक
मनालयायै सभक्तार्थद्रुधिये सन्दलायै
सन्दे साते सभ्यायै सभ्यमविलयै सीतं
शुकप्रायै सिद्धयै सकाराक्षरमातृकायै
हंसे हंसरारूढायै हिरण्मयायै हहह
मा॰ति॰ यै हयाभयभिरायै हयायै हवर्णायै ह
श्री॰ मलमातृकायै हाटकस्तुतायै हाटकाञ्जनयै हो
७ लीलुखायै हालाहालायै हाटकायै हाटकन्ने

[illegible]

नमस्त्रै उग्रहस्तुतायै देवारूपमस्थितायै उल
केलीभूतायै देवारूपम उपमः कल्पयित्रे
उद्वे नालिकृपायै नाकभूरपातिते नलके
उभेलु नाकसकलभट्टकायै भूलै भूलाह्ले
त्रे भूवास्त्रे भूलभाष्टे सकलाकलभट्टकायै
सुडिकायै मिवस्त्रे सन्नायूपपायै सूडयै
सयायै सीनात्रकुभ्यायै सम्मेलिपरवलुतायै
समायै सुत्रमाशिल्ले सूक्तायै सूयिडस्त्रे सवीय
स्त्रे सम्भूयल्ले सूभलतायै उस्तेभि॰ सवभाडे॥२०॥
ॐ सुमिसवडायै सपिलयै सडलायै सवी
सवडायै पाभकारायै सम्भेपामप्रस्तुयै सभे
पावापूसायै सन्नयस्त्रे विनामायै सन्नपस्त्र
लास्त्रिडायै सङ्गनभुयै सस्त्रिप्रस्तुयै सभस
य समपात्रभत्रपायै सकलाकलभट्टकायै

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पकाराकारभक्तिकायै ललनायै श्रीउबभृत्यै लागाव
बिलीयन्त्यै लल्लुल्लै लल्लुडीकभृत्यै लवणालङ्काभ
त्तनायै बलप्रदायै बलमान्यायै बालमान्यायै बालायै
बालप्रदायै बलिप्रियायै बालाङ्गायै बालापि
लायै बालायै बल्लारिपुप्रियायै बलुसभृत्यै
बहुरूपै बकारान्तिभाषायै लक्ष्मिकायै लीमय
ह्रूं लीमायै लज्जाभियायै मलयायै लयम्रे ली
मनमन्यै लयानकभूपिकायै लिल्लसुदे लीउ
लनायै लक्ष्म्यै लक्ष्मुदे लक्ष्मुपायायै लक्ष्मुकालिन्दे
लक्ष्मुक्तायै लक्ष्मुवडिने उत्कीमि॰लाभक्लायै ॥५००॥
उंलागावभायै लाभृत्यै लाकुपल्ले लायेनयै ल
गाकरायै लाम्रे लाप्रमिताये लामज्जेकाभायै
उभुये लामज्जनकाममान्यै लालिङ्गायै सभा
उभुवायै लालिङ्गमुदे यंमात्रे लवात्रे लवडा
बिल्ले

भवरूपायै भुवनेशात्र्यै भूर्भुवःस्वःस्वरूपिण्यै भवेश्व-
र्यै भवानन्दायै भक्तानन्दप्रदायिन्यै भद्रायै भ-
द्ररूपायै भीमायै भीमकोलाहलायै भषि-
तायै भैरवेशायै भैरवायै भैरवकौलिन्यै
भद्रभद्रायै भद्रप्रदायै भद्ररूपायै भद्रमण्डलायै भं-
भाकृतायै भंभस्वरूपायै भंभमूर्त्यै भंभरूपायै
भीमाक्ष्यै भीमरूपायै भद्ररूपायै भद्रकालप्रियायै
भैरवनाथायै भैरविकायै भैरवकुलप्रियायै भै-
रवनाथायै भैरवप्रणीतायै भैरवप्रियायै भक्त-
भक्तानन्दायै भक्तजनप्रियायै भवानीभव-
रूपायै भद्ररूपायै भवमायायै भैरवभक्तानुक-
म्पायै भैरवकर्मप्रणीतायै भगभगायै भगमालि-
न्यै भगदायै भगवन्दायै भगवत्यै भगवत्स्वरूपिण्यै
यममूर्त्यै यशोमात्रे यज्ञकर्त्र्यै यज्ञप्रियायै यज्ञ-
पत्न्यै

यज्ञफलायै यज्ञावेशसमफलायै यमेश्वर्यै
यतिमेश्वर्यै यशस्यै यष्टिकचक्रफलायै योगेश्व-
र्यै योगगम्यायै योगाम्बुजवनफलायै यशोभु-
जे शङ्कराङ्कसमारूढायै रङ्गेश्वर्यै रमान-
न्दमेश्वर्यै रम्यरूपभूषणायै रत्नाभरणायै रम-
णरूपायै रोगघ्न्यै रक्तिवर्णायै रक्तकमलधारिण्यै र-
म्यायै रत्नायै रक्तिमण्डितरूपायै रक्तेश्वर्यै रमणमन-
से रक्तोत्पलमध्यस्थितायै रतिप्रियायै रतिश्व-
र्यायै रक्तकुसुमप्रियायै लक्ष्मीमूर्त्यै ललितलिङ्ग-
यै लक्ष्मीस्वर्णभानवायै लज्जायै लज्जाविनताभूत्यै
लक्ष्म्यै लक्ष्मयै लयलीलायै लोकेश्यै लोकपाल्यै लम्ब-
रूपायै लक्ष्मणादयायै लम्बायै लम्बकम्बलधारायै ल-
कारकारवर्तिन्यै लिङ्गधीरायै कलिकायै लिङ्ग-
रूपायै लिङ्गलिङ्गिन्यै लक्ष्मीरूपायै रम्यलक्षणायै

गर्भायै रवायै रम्यमङ्गलायै लयस्थायै लक्ष्म्

यै लीलायै लोलेक्षि· लकाराक्षरमातृकायै ॥ ७०० ॥

ऽंवर्त्ते वामन्त्रे वीरघ्न्यै वामस्थिते वीरस्

दे वीरमातृकायै वीरमदवशमर्दिन्यै वायु

गायै वक्रायै वामनायै वामनाङ्गे वक्त्रायै

वधूकायै सवक्त्रायै वधूकवे वनिताभिप्रियायै

वमतुलक्ष्मै वदन्ते वदकायै वदकेश्वरे वद

प्रियायै वामनेश्यायै वामामार्गकलालभायै

वाड्यै वामृगायै वापीदायै वमभाषे वमतुरायै

वायुयानायै वयस्थे वकाराक्षरमातृकायै सर्व

प्रियायै सारस्वतायै साकलायै समिवङ्गलायै

सीन्दूरे सीतभायै सेलेखे सीकामुद्रायै सी

मालि-
मं·
००

वङ्गलाङ्गनायै सवायै सवराभाङ्गवाभिते स

सङ्क्ये सभलाक्ष्मै सास्तुलतनवे सहिमायै से

षड्वक्त्रे समीप्रलाय सकारादुसाप्रलाय षोडशे
षोडशेक्षमाय षष्ठाय षेत्रपाय षडाननाय ष
ट्कूटाय षड्भावीभूताय षडक्षीभ्यायाभ्य
य षडभुजनाते षष्ठाय षवलीकरभ
त्तकाय सप्रभुतप्रसव सवाय सवगाय सव
र्भ्यायाय समाय सीताय सडीभर् सागर
चयरूपिने समभुपासमभते सालभूते
सरूपिणाय सत्प्रियाय सेसमते सतभ
ते सुतवल्लभाय सभते सासाय सांते सा
सगाय सासवरूपाय सनकेशे सनरूपाय
सवनभृते सनातनाय सेतुकृताय ससभ
माय सकाराकारवल्लभाय हलाहलभृताय
हलाय हहाहावरिजषणाय हहङ्क
भक्तिपाय हलभृते हलिभृताय हरिहराय

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥

मा॰
भु॰
०३